निस्ट में हिंदी भाषा

स्कूल पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी भाषा वर्ष २ से १३ तक पढ़ाई जाती है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को हिंदी की समृद्ध परम्परा के प्रति संवेदनशील बनाया जाए और एक पुष्ट सांस्कृतिक अस्तित्व का विकास किया जा सके। पाठ्यसामग्री के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना जागृत की जाती है।

प्राप्त शिक्षा द्वारा विद्यार्थी अन्य किसी भी शिक्षा संस्थान में हिंदी अध्ययन ज़ारी रखने में सक्षम होंगे।

हिंदी भाषा पढ़ाने के लिए तीन शिक्षक व प्रत्येक कक्षा में सामान्यतः १५ विद्यार्थी हैं।

विधि व स्रोत – भाषाई विकास की समग्रता को ध्यान में रखते हुए बोलने, लिखने- पढ़ने एवं देखने-सुनने के कौशल का विकास विद्यार्थी केन्द्रित रोचक गतिविधियों द्वारा किया जाएगा। पाठ्यक्रम की रचना में विभिन्न संसाधनों द्वारा प्राप्त उपयुक्त साहित्यिक व अन्य रोचक पठन सामग्री सम्मिलित की गयी है। ये स्रोत हैं - बच्चों की पत्रिकाएं जैसे नंदन, चंदामामा आदि; राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तक; 'चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट' द्वारा प्रकाशित बालसाहित्य; देशीय व विदेशी लोक कथाएँ; ज्ञान-वर्धक फिल्में तथा विश्व साहित्य के हिंदी रूपांतरण।

'वर्ल्ड लैंगुएजिज़ प्रोग्राम' के अंतर्गत हिंदी भाषा

- २-६ (प्राथमिक शिक्षा)
  पी.वाई.पी मातृभाषा हिंदी १० दिवस चक्र में ८० मिनट की अवधि वाले ४ पीरिअड पढ़ाई जाएगी
- ७-११ (माध्यमिक शिक्षा)
  एम.वाई.पी मातृभाषा हिंदी १० दिवस चक्र में ८० मिनट की अवधि वाले ५ पीरिअड पढ़ाई जाएगी
- १२-१३ (डिप्लोमा)
  विद्यार्थी 'हायर' और 'स्टैण्डर्ड लेवल' में से एक विकल्प चुन सकते हैं। 'हायर लेवल' पढ़ने वाले विद्यार्थी १० दिवस चक्र में ८० मिनट की अवधि वाले ६ पीरिअड और 'स्टैण्डर्ड लेवल' केवल ४ पीरिअड पढ़ेंगे।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

- अंतर्राष्ट्रीय दिवस उत्सव
- भारतीय पर्व मनाना
- ज्ञानवर्धक फिल्मों की सराहना व विश्लेषण

प्रवेश मांग

वर्ष २-३ में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सामान्य निर्देश व साधारण हिंदी समझ सकें।

वर्ष ४, ५, ६ में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे हिंदी समझ सकें और बोल सकें।

वर्ष ७ - ११ में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों से बोलचाल व लिखित भाषा के पूर्व ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।